Ministry of Health and Family Welfare
Government of India

Help us to help you

प्रतिकूल प्रभाव पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

1 भारत की वैक्सीन के तुरंत और देरी से होने वाले संभावित प्रतिकूल प्रभाव क्या हैं?

कोविशील्ड

कुछ हल्के लक्षण हो सकते हैं जैसे कि इंजेक्शन वाली जगह का लाल होना, इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द होना, सिर दर्द, थकान, मांसपेशियों में दर्द, बेचैनी, बुखार ठंड लगना, जोड़ों का दर्द और मिचली आना। वैक्सीन से जुड़ा कोई और गंभीर प्रतिकूल असर सुनने में नहीं आया है।

कोवैक्सीन

कुछ बहुत हल्के लक्षण हो सकते हैं जैसे कि इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द होना, सिर दर्द, थकान, बुखार, बदन दर्द, पेट दर्द, मिचली आना और उल्टी होना, बार-बार चक्कर आना, कंपकपी, पसीना आना, सर्दी, खांसी और इंजेक्शन वाली जगह पर सूजन। वैक्सीन से जुड़ा कोई और गंभीर प्रतिकूल असर सुनने में नहीं आया है।

2 इस टीके को लेकर क्या जोखिम हैं, कौन लोग वैक्सीन न लगवाएं?

मनाही

i. जिन लोगों को निम्नलिखित परेशानी हो:

- ☑ कोविड-19 वैक्सीन की पिछली डोज़ से कोई एनाफिलेटिक या एलर्जिक रिएक्शन
- ☑ वैक्सीन या इंजेक्टेबल थेरेपीज़, फार्मा पोडक्ट्स, खाने-पीने की चीज़ों के प्रति तुरंत या देरी से एलर्जी हुई हो

ii. गर्भावस्था और स्तनपान

- ☑ गर्भवती या स्तनपान करा रही महिलाएं अभी तक कोविड-19 वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल का हिस्सा नहीं रही हैं। इसलिए, महिलाएं जो गर्भवती हैं या फिर गर्भावस्था को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं और जो महिलाएं अपने बच्चे को स्तनपान करा रही हों उन्हें इस समय कोविड-19 वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए।

अस्थायी मनाही: इस स्थिति में, रिकवरी के बाद 4-5 हफ्ते के लिए वैक्सीनेशन को टाल दिया जाता है।

- ☑ जिन लोगों में SARS-CoV2 के सक्रिय लक्षण हों।
- ☑ वो SARS-CoV2 मरीज, जिन्हें मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ या प्लाज्मा दी गई हो।
- ☑ किसी भी बीमारी के चलते गंभीर रूप से अस्वस्थ और अस्पताल में भर्ती (ICU/इंटेंसिव केयर के साथ या बिना) मरीज।

3 वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए कौन-सी दवा लेनी चाहिए?

इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द, इंजेक्शन वाली जगह का लाल होना बेचैनी, बुखार आदि जैसे हल्के प्रतिकूल प्रभावों में लक्षणों को कम करने के लिए Paracetamol ले सकते हैं।

4 क्या कोविड-19 वैक्सीन लगवाने वालों को शराब से दूर रहना चाहिए?

विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह पता चले कि शराब वैक्सीन के असर को कम कर देती है।

5 सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया गया था कि कोविड-19 वैक्सीन से महिलाओं की प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्या ये सही है?

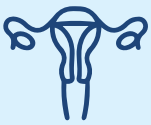

वैक्सीन से बांझपन का दावा कर रही अफवाहें या सोशल मीडिया पोस्ट सही नहीं हैं और पूरी तरह निराधार हैं। पहले भी कई वैक्सीन के खिलाफ इस तरह की अफवाहें फैलाई गई थी, उदाहरण के लिए पोलियो और खसरा। की वैक्सीन। जो भी वैक्सीन अभी उपलब्ध हैं उनमें से कोई भी प्रजनन क्षमता को प्रभावित नहीं करती है। वैक्सीन और उनके घटक का पहले जानवरों पर परीक्षण किया गया था और फिर इंसानों पर इस तरह के प्रतिकूल प्रभाव की जांच की गई थी। सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित होने के बाद ही वैक्सीन को इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है।